इस प्रश्न–पत्र में 30 प्रश्न [खण्ड 'क' (20) + खण्ड 'ख' (5) + खण्ड 'ग' (5)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं ।

Sl. No.

Roll No. / अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | |

Code No. / कोड नं. **58/OSS/1**

Set /सेट **B**

HINDI

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
1. ______________________
2. ______________________

downloaded from StudentSuvidha.com

सामान्य अनुदेश:

1. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

3. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा ।

4. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **58 /OSS/1, Set - B** लिखें ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

HINDI
हिन्दी
(301)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश: (i) इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' ।

(ii) खण्ड 'क' के सभी प्रश्नों को हल करना हैं ।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से केवल एक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(iv) खण्ड 'क' 85 अंकों का और खण्ड 'ख' अथवा खण्ड 'ग' 15 अंकों का है ।

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए:– **[8]**

क) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

ख) अचानक आई बाढ़ का दृश्य

ग) मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना

घ) देश के प्रति युक्त–वर्ग के कर्त्तव्य

2. निम्नलिखित अवतरण का सार लगभग एक तिहाई शब्दों में लिखिए और एक शीर्षक भी दीजिए। **[3 + 1 = 4]**

परमात्मा की बनाई हुई सृष्टि, उसके जड़ चेतन संसार व उस की गति को देखकर मनुष्य आश्चर्य चकित से उठता है। सृष्टि का प्रत्येक पदार्थ प्रतिप शक्तिशील है दूर से भले ही बहुत कुछ जड़ लगता है। आज जहाँ गगनचुम्बी अद्दालिकाएँ हैं, कल वहाँ अचानक वन थे और कल जहाँ बड़े–बड़े प्रासाद थे वहाँ आज धूल उड़ रही है। कल जिन सभ्यताओं (यूनान, रोम, मिश्रा आदि) **का बोलबाला** था आज उनके नामोनिशान तक मिट गए हैं– यह समय का चक्र नहीं तो और क्या है। समय बड़ा प्रबल है, वह सदैव शक्तिशील है पलभर को भी ठहरता नहीं। धरती की ही बात नहीं ऊपर–नीचे प्रकृति के मुख्य तत्वों की भी – सूर्य, चन्द्र, तारे, नक्षत्र, नीचे जलादि की गतियाँ देखिए – वे सदैव बदलती रहती है। तात्पर्य यह कि प्रकृति में सब कुछ परिवर्तन शील है – इसी प्रकार मानव जीवन भी जन्म–मृत्यु के चक्र में पिसता – पिसता कई–कई योनियाँ बदलता रहता है अत: मनुष्य को चाहिए कि जब तक वह जीवन में है अच्छे कार्य करें, अपने सुख के साथ–साथ अन्य को भी सुखी बनाऐ उसे यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए। कि समय बदलते देर नहीं लगती।

3. आप के घर का फोन प्राय: खराब रहता है। क्षेत्र के टेलीफोन एक्सचेंजज के प्रबंधक को शिकायती पत्र लिखिए। **[4]**

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

4. निम्नलिखित में से किसी एक का भाव पल्लवन कीजिए :– [3]

क) वन रहेंगे तो हम रहेंगे

ख) वन हो न निराश करो मन को

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार दीजिए:–

क) मेरे लिए एक फूलों की माला लेते आइएगा। [1]

(वाक्य शुद्ध कीजिए)

ख) चलिए घूमने चलें। [1]

(भाव वाक्य में बदलिए)

ग) मोहन सोहन सीधे घर जाओ वरन: पिट जाओगे [1]

(उपयुक्त विराम चिह्न लगाइए)

घ) तेज चलते तो बस मिल जाती। [1]

(अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए)

ङ) नीली कमीजवाला लड़का पढ़ने में बहुत होशियार है। [1]

(मिश्र वाक्य में बदलिए)

6. निम्नलिखित सूचना को उपयुक्त आरेख द्वारा प्रदर्शित कीजिए :– [4]

– हिन्दी भक्ति काव्य – दो काव्य धाराओं – निर्गुण भक्ति व सगुण भक्ति में पाया जाता है।
– निर्गुण भक्ति काव्य दो विभिन्न रूपों में – ज्ञानाश्रयी और अर्थात्
– प्रेममार्गी–ज्ञानाश्रयी संत साहित्य जिसके प्रसिद्ध
कवि–कबीर और प्रेम मार्गी अर्थात् सूफी काव्य इसके प्रसिद्ध कवि जायसी हैं।
– सगुण भक्ति काव्य में रामभक्ति का काव्य – प्रसिद्ध कवि तुलसीदास।
– कृष्ण भक्ति में प्रसिद्ध कवि सूरदास हैं।

downloaded from StudentSuvidha.com

7. टिप्पण और टिप्पणी में अन्तर बताते हुए का इस पर टिप्पण लिखने की पद्धति पर प्रकाश डालिए। [3]

8. सैकेण्डरी स्कूल में अध्यापक के पद पर कुछ दिन पहले जब आप साक्षात्कार हुआ तब आपको असफल होने का भय था, क्योंकि प्रश्नों के सही उत्तर न दे सके थे। – किंतु कल जब आपको नियुक्ति–पत्र मिला तो आपकी खुशी का ठिकाना न रहा। खुशी के उन क्षणों की अनुभूतियों को लगभग 35-35 शब्दों में लिपिबद्ध कीजिए। [2]

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

9. क) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में इतिहास और लोकतत्व का सफल समन्वय है–इस कथन का विवेचन कीजिए। **[3]**

ख) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के आधार पर कुँवरसिंह की किन्हीं तीन प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **[3]**

10. क) छोटी रानी ने अलीमर्दान की सहायता पाने के लिए क्या किया और उसका यह कार्य कुंवरसिंह को अच्छा क्यों नहीं लगा? **[1]**

ख) कुंवरसिंह दलीपनगर का राजकुमार होते हुए भी दलीपनगर का राजसिंहासन क्यों नहीं पा सका? **[1]**

11. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– **[4]**

नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है। वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है। रूप व्यक्ति–सत्य है, नाम समाज–सत्य है।

अथवा

जीवन की कृतार्थता यह है कि वह दृढ़ हो, पर अड़ियल न हो। दृढ़ जो औचित्य के लिए, सत्य के लिए टूट जाता है, वह हिलता और झुकता नहीं। अड़ियल, जो औचित्य और अनौचित्य, समय–असमय का विचार किए बिना ही अड़ जाता है और टूट भी जाता है, पर हिलता–झुकता नहीं।

12. पठित पाठ के आधार पर हरिशंकर परसाईं अथवा पंकज कुमार की भाषा–शैली की दो विशेषताएँ लिखिए। **[2]**

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-50 शब्दों में दीजिए। **[3 + 3 = 6]**

क) 'एक था पेड़ और एक था ठूँढ!' के लेखक ने जीवन की कृतार्थता के बारे में क्या कहा है – स्पष्ट कीजिए।

ख) 'अनुराधा' कहानी की नायिका अनुराधा की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

ग) 'कुटज' पाठ के लेखक ने कुटज पौधे का जीवन–शैली के माध्यम से आप को क्या शिक्षा दी है? उस पर प्रकाश डालिए।

downloaded from StudentSuvidha.com

14. क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : – **[4]**

एकै संग छाए नंदलाल उजौ गुलाल दोऊ,
ध्यानि गएजु यदि आनंद मढ़ै नहीं।
धोय–धोय हारी, 'पदमाकर' तिहारी सौंह,
अबतौ उप्राथ एक चित्र में चढ़ै नहीं।
कैसी करौं, कहाँ जाँऊ, कासे कहूँ, कौन सुनै,
कोऊ तो निकासो, जासै दरद बढ़ै नहीं।
एरी मेरी बीरा जैसे तैसे इन आँखिन तैं,
कढ़िग्णे अबीर, पै अहीर तो कढ़ै नहीं।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

अथवा

मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में
चमकता हीरा है,
हर एक–छाती में आत्मा अधीरा है
प्रत्येक सुस्मित में विमल सदानीश है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में
महाकाव्य पीड़ा है,
पलभर में सब में से गुज़रना चाहता हूँ,
इस तरह खुद को ही दिए–दिए फिरता हूँ,
अजीब है जिन्दगी!

ख) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। **[2]**

सिर पर जिसके असिघात, रक्त, चन्दन है,
भ्रामरी उसीका करती अभिनन्दन है।
दलनी रक्त से सभी पाप धुलते हैं,
ऊँची मनुष्यता के पथ भी खुलते हैं।

15. 'निराला' की कविता 'वह तोड़ती पत्थर' <u>अथवा</u> रैदास के नरहरि! 'चंचल है मति मेरी' पद का केन्द्रिय भाव लगभग 35-35 शब्दों में लिखिए। **[2]**

16. संत–साहित्य <u>अथवा</u> रीतिकालीन साहित्य की <u>दो</u> प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **[2]**

17. क) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियाँ किस छन्द में रची गई हैं? **[1]**

बाहिर लौकै दियवा, बारन जाय।
सासुननद ढिग पहुँचत, देत बुझाय।।

ख) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में कौन–सा अलंकार है? **[1]**

''सघन कुँज–छाया सुखद, सीतल, सुरभि–समीर''।

18. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 35-35 शब्दों में लिखिए :– **[2 + 2 = 4]**

क) मनुष्य को कठपुतली बन जाने से क्या–क्या हानियाँ होती हैं – तर्क सहित उत्तर दीजिए।

ख) ''मीराँ का श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम था''–इस कथन की पुष्टि पठित पाठ से उदाहरण देकर कीजिए।

ग) ''परिचय इतना इतिहास यही,
उमड़ी कल थी मिट आज चली!'' कवयित्री महादेवी ने क्यों कहा है– इस पर टिप्पणी कीजिए।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

19. निम्नलिखित कविता को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

यह मनुज, ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्य प्रकाश,
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश।
यह मनुज जिसकी शिखा उद्दाम।
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम।
यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार।
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।

पर, सको सुन तो सुनो, मंगल जगत् के लोग।
तुम्हें छूने को रहा जो जीव कर उद्योग–
यह अभीपशु है, निरा यशु, हिंस, रक्त–पिपासु–
बुद्धि इसकी अभी दानवी है, स्थूल की जिज्ञासु,
कड़कता उसमें किसी का जब कभी अभियान,
फूँकने लगते सभी; हो मन्त्र, मृत्यु – विषाण।

ध्येय से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय
पर, न सह परिचय मनुज का, सहन इसका श्रेय।
श्रेय उसका बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत
श्रेय उसका (मानव की) असीमित मानवों से प्रीत
एकनर के दूसरे के बीच का व्यवधान
तौड़ दे, तो बस, यही इतनी, यही विद्वान,
और मानव भी वही।

क) कवि ने मनुष्य को 'ब्रह्माण्ड का सुरम्य प्रकाश' क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए। **[1]**

ख) काव्यांश के दूसरे पद में उसी को निरा यशु, हिंस, रक्त–पिपासु' कहकर किस सत्य का उद्घाटन किया है? **[1]**

ग) सृष्टि के समस्त प्राणी उसे प्रणाम क्यों करते हैं? **[1]**

घ) कवि की दृष्टि में मानव का कल्याण किस कार्य को करने में है? **[1]**

ङ) प्रस्तुत काव्यांश से हमें क्या प्रेरणा मिलती है उसे स्पष्ट कीजिए। **[1]**

20. निम्नालिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

कोलम्बो से मद्रास तक स्वामी विवेकानंद का भाषण नवीन भारत का उद्बोधन मात्र था। आत्मविश्वास हीन, जातीय ऐक्य बोध से वंचित तथा अनेक आघातों से सियमान भारत वासियों ने सुना:–

''आगामी पचास वर्ष तक तुम लोग एकमात्र' स्वर्गादपि गरीयसी जननी जन्मभूमि की आराधना करो–इन वर्णों में दूसरे देवताओं को भूल जाने में भी कोई हानि नहीं। दूसरे देव–गण सो रहे हैं, इस समय तुम्हारा एक मात्र देवता है 'तुम्हारा राष्ट्र। सभी स्थानों में उसका हाथ है, उसके सतर्क कान सभी जगह मौजूद हैं– वह सभी स्थानों में

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

व्याप्त होकर विद्यमान है? तुम लोग किसी निष्फल देवता की खोज में दौड़ रहे हो और अपने सामने और अपने चारों ओर जिस देवताको देख रहे हो, उस विराट की उपासना नहीं कर रहे हो। .... ये सब मनुष्य तथा ये सब पशु ही तुम्हारे ईश्वर हैं और तुम्हारे स्वदेश निवासी गण ही तुम्हारे प्रथम उपास्य हैं।''

चिरकाल से शांत भारतीय जन समूह में एकाएक आविर्भूत होकर विवेकानंद ने आँधी की तरह उसमें उथल पुथल मचा दी, भारत के एक प्रांत से दूसरे प्रांत तक उनके सत्य की अमोध दीर्घपूर्ण वाणी फैल गई। भगवान विष्णु ने जिस प्रकार तीसरे अवतार में समुद्रवेष्टित पृथ्वी को प्रलय–पयोधि से अमित शक्ति द्वारा खींच कर उठा लिया था उसी प्रकार व्यग्रता और गंभीरता के साथ भारत को हीनता के कीचड़ से खींचकर उबार लेने के लिए स्वामी विवेकानन्द ने अपने विशाल बाजुओं को प्रसारित कर दिया?

क) स्वामी विवेकानन्द के भाषण को नवीन भारत का उद्बोधन – मात्र क्यों कहा गया है? [2]

ख) स्वामी विवेकानंद ने अपने भारत को ही एकमात्र देवता के रूप में क्यों बताया? [2]

ग) भारत राष्ट्र रूपी देवता के विराट रूप का वर्णन स्वामीजी ने किस रूप में किया है? [2]

घ) स्वामी विवेकानन्द की तुलना भगवान विष्णु से करने में लेखक का क्या उद्देश्य है? समझाइए। [2]

ङ) स्वामीजी के भाषण का एक प्रांत से दूसरे प्रांत तक के जनसमूह पर क्या प्रभाव पड़ा? [1]

च) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। [1]

छ) निम्नलिखित शब्दों में एक उपसर्ग और एक प्रत्यय छाँटिए
प्रसारित, स्वदेश, गंभीरता, सतर्क। [½+½ = 1]

खण्ड – ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी)

21\. क) समाचार पत्रो में प्रयोग की जाने वाली हिन्दी भाषा की वर्तनी में एक सभ्यता जाने के लिए क्या–क्या बाधाएँ आ रही हैं?– उनमें से किन्हीं चार का उल्लेख कीजिए। [2]

ख) सूचनाओं के आदान–प्रदान में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए। [2]

22\. क) समाचार प्राप्त करने के मुख्य स्रोत कौन–कौन से हैं? उनका उल्लेख करते हुए किसी एक पर लगभग 35-35 शब्दों में प्रकाश डालिए। [2]

ख) वार्ता और भेंट वार्ता में क्या अंतर है – स्पष्ट कीजिए। [2]

23\. कल्पना कीजिए कि आप किसी पब्लिक स्कूल के संचालक हैं। स्कूल में हिन्दी – अध्यापिकाओं के दो पद रिक्त हैं। आप उन पदों पर सुयोग्य, अनुभवी, अध्यापिकाएँ नियुक्त करना चाहते हैं। इस हेतु किसी समाचार पत्र के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। [3]

24\. आप की कॉलोनी में अधिकांश वरिष्ठ नागरिक वे हैं, जो अपने घरों में अकेले रहते हैं उनकी रोजगारी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक 'युवा–मोर्चा' नाम की संस्था बनाई गई है, जो उनकी सेवा करने को तत्पर है – इस सम्बन्ध की सूचना हेतु एक समाचार आइटम तैयार कीजिए। [3]

StudentSuvidha.com downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

25. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ स्पष्ट कीजिए :– [½+½=1]

क) समाचार

ख) धारावाहिक

ग) स्टाफर

खण्ड – ग

(विज्ञान की भाषा हिंदी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो के अर्थ स्पष्ट कीजिए। [½+½=1]

क) भूतापीय ऊर्जा

ख) धमनी

ग) क्रिस्टल

22. कम्प्युटर हमारे काम में बहुत सहायक है – कैसे? इस की तीन प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [3]

23. भारत में बढ़ती जनसंख्या के प्रमुख चार कारणों का विस्तृत परिचय दीजिए। [4]

24. विज्ञान की भाषा की किन्हीं तीन प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण प्रकाश में लाइए। [3]

25. दिनों दिन बढ़ती भारत की जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए संस्थाऐं और स्वयं–सेवी संगठनों द्वारा किए गए किन्हीं चार उपायों का उल्लेख कीजिए। [4]

• • •

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com